बीएजी दर्शनशास्त्र असाइन्मेन्ट परीक्षा सत्र दिसम्बर 2021 एवं परीक्षा सत्र जून 2022

(BAG Philosophy Assignment for TEE December 2021 and TEE June 2022)

सेमेस्टर- प्रथम

भारतीय दर्शन

(बीपीवाईसी- 131)

पूर्णांक- 100

टिप्पणी:

1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3) प्रश्न क्रमांक 1 एवं 2 के उत्तर हेतु शब्द-सीमा लगभग 400 शब्द है।

1. व्याख्या कीजिए, 10+10= 20

अ) नागार्जुन के दर्शन में शून्यता की अवधारणा

आ) न्याय दर्शन में प्रत्यक्ष की अवधारणा

अथवा

निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए, 10+10= 20

अ) शब्द प्रमाण

आ) रामानुज के दर्शन में मोक्ष की अवधारणा

2. आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए, 10+10= 20

अ) बौद्ध दर्शन के द्वारा बाह्यार्थ (बाह्य जगत की सत्ता) का खण्डन

आ) शंकर के दर्शन में अविद्या की अवधारणा

अथवा

निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए, 10+10= 20

अ) तत्त्वमसि का द्वितीय निहितार्थ

आ) असत्कार्यवाद

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो प्रश्नों** के उत्तर **लगभग 200-200 शब्दों** में दीजिए। 2*10= 20

अ) स्यादवाद की अवधारणा का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 10

आ) व्याप्ति क्या है? चार्वाक कैसे सिद्ध करते हैं कि व्याप्ति की स्थापना नहीं की जा सकती है? 10

इ) प्रतीत्यसमुत्पाद की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। 10

ई) वैशेषिक दर्शन में अभाव के विभिन्न प्रकारों/रूपों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार प्रश्नों** के उत्तर **लगभग 150-150 शब्दों** में दीजिए। 4*5= 20

अ) ईश्वर की सत्ता सिद्ध करने हेतु योग दर्शन ने क्या युक्तियां प्रस्तुत कीं। 5

आ) प्रकृति की सत्ता सिद्ध करने हेतु सांख्य दर्शन ने क्या युक्तियां प्रस्तुत कीं। 5

इ) *कठोपनिषद्* के केन्द्रीय विषय पर टिप्पणी लिखिए। 5

ई) मध्व के ईश्वर सम्बन्धी विचार पर टिप्पणी लिखिए। 5

उ) न्याय एवं बौद्ध दर्शन की सत् की धारणाओं की तुलना कीजिए। 5

ऊ) शंकर के दर्शन में अध्यास सिद्धान्त का क्या महत्व है? 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर **लगभग 100-100 शब्दों** में टिप्पणी दीजिए। 5*4= 20

अ) श्रुति 4

आ) विशेष 4

इ) परा विद्या 4

ई) पशु 4

उ) स्वलक्षण 4

ऊ) अनुपलब्धि 4

ए) असम्प्रज्ञात समाधि 4

ऐ) उपमान 4